पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

मुंबई में नया ऑफिस खोलेंगी कंगना

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 42 ■ अंक : 150 ■ शुक्रवार, 30 अगस्त 2024 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
/ulhasvikas संपादक - हीरो अशोक बोधा (BMM, L.L.B.) Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

अंबरनाथ के मुक्कू और विकास पर अपराध दर्ज

एक व्यक्ति को मारकर गंभीर घायल किया

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अपनी बहन को राखी बांधकर बाइक से वापस लौट रहे एक व्यक्ति का अपहरण करके उसके साथ जबरदस्त मारपीट करके उसे घायल करने वाले चार के खिलाफ पुलिस में अपराध दर्ज कराया. अंबरनाथ में ये मामला 28 अगस्त को रेफर किया गया है. घायल विनायक पिल्लै (45) फुले नगर निवासी ने पुलिस को बताया है कि 19 अगस्त की रात 8.30 बजे वह अपनी बाइक से जा रहे थे कि वांद्रा पाड़ा के पास उन्हें आरोपी गुड्डो रसाल और जान्सन ने उनकी चार पहिया वाहन को उनके दो पहिया वाहन के सामने लाकर उन्हें रोका और गुड्डो ने उनका मोबाइल भी जबरदस्ती छीन लिया और जबरन कार में बिठाकर विकास के चिंचपाड़ा आफिस में ले गए, जहां आरोपी लेनिन मुक्कू और विकास मौजूद थे. उन्होंने उससे कहा कि मेरे ऊपर चल रहे केस में तू गवाह है. कोर्ट में तुझे स्टेटमेंट बदलना होगा नहीं तो मैं तुझे और तेरी फैमिली को छोड़ूंगा नहीं. ऐसा बोलकर हाथ बुक्की से उन्हें मारा. बाद में एमपीएफ आर्डनेंस ग्राउंड के स्टेज पर ले जाकर उन्हें गुड्डो जॉनसन ने पट्टे से मारा. विकास ने पाइप से मारा, लेकिन मुक्कू ने धारदार हथियार से उलटे हाथ पर वार कर गंभीर रूप से घायल किया.

पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता के 9 कलमों के अनुसार अपराध दर्ज किया है. इस संबंध में खुलासा लेने के लिए जब हमने मुक्कू लेनिन और विकास को फोन किया तो उनका फोन आउट आफ कवरेज बता रहा था. मामले की जांच पुलिस उप निरीक्षक आर. पी. मावले कर रहे हैं.

नए आयुक्त को शहर के अवैध निर्माणों का चैलेंज

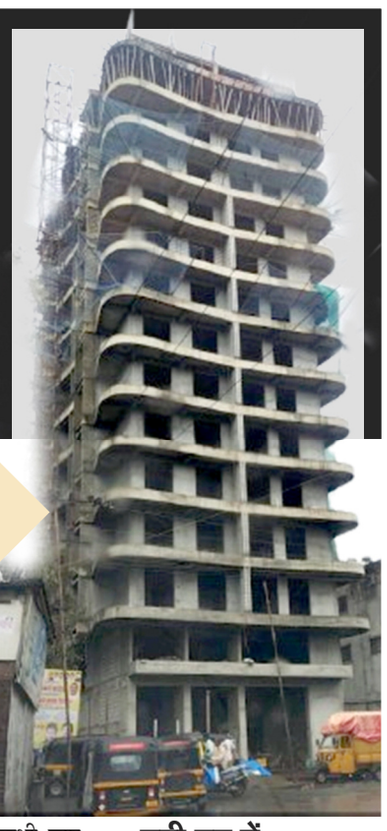

हाईकोर्ट के आदेश की हो रही अवमानना

क्या 16 मंजिला इमारत तोड़ी जाएगी?

- पुराने 855 अनधिकृत निर्माण नियमितीकरण में बाधक
- शहर में बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण कार्य
- सरकारी अध्यादेश के लिए अवैध निर्माण बने बाधा

उल्हासनगर. राज्य सरकार ने उल्हासनगर शहर में 855 अनधिकृत निर्माणों को नियमित करने के लिए एक अध्यादेश जारी किया है। इसलिए मनपा प्रशासन की ओर से इन अनाधिकृत निर्माणों को नियमित करने की प्रक्रिया जारी है, लेकिन दूसरी ओर शहर में बड़ी संख्या में नए अनाधिकृत निर्माण हो रहे हैं, जिससे पुराने 855 अनाधिकृत निर्माणों को नियमित करने में बाधा आ रही है. नए आयुक्त विकास ढाकणे को यह अवैध निर्माण करने वाले खुला चैलेंज कर रहे हैं कि हम पर कोई कार्रवाई नहीं होगी। क्योंकि सब मैनेज किया गया है। वहीं उल्हासनगर-5 में झलक कंस्ट्रक्शन द्वारा बनाई गई 16 मंजिला इमारत को जो तोड़ने का आदेश आया हुआ है उस पर भी प्रशासन चुप्पी साधे हुए हैं। क्या शहर के नए व पुराने इमारतों और अवैध निर्माणों में लोग मकान व दुकान लें अथवा नहीं। क्योंकि तोड़क कार्रवाई की तलवार उन पर हमेशा रहेगी। अध्यादेश अनुसार हाईकोर्ट के आदेशों की अवमानना कर शहर में अवैध निर्माण खड़े किए गए हैं। ऐसे में नए आयुक्त के लिए यह सबसे बड़ा चैलेंज साबित होगा।

उल्हासनगर शहर में 855 अनधिकृत निर्माणों का मामला हाई कोर्ट में जाने के बाद हाई कोर्ट की ओर से अनाधिकृत निर्माणों को हटाने का आदेश दिया गया था, लेकिन शहर में इतनी बड़ी संख्या में अनाधिकृत निर्माणों को हटाने पर कानून व्यवस्था की समस्या को देखते हुए राज्य सरकार ने 855 अनधिकृत निर्माणों के मालिकों पर जुर्माना लगाकर उन्हें नियमित करने का अध्यादेश जारी किया। इसमें मनपा प्रशासन ने शपथ पत्र लिखकर कहा है कि शहर में कोई भी नया अनधिकृत निर्माण नहीं होगा।

हाल ही में एक सामाजिक कार्यकर्ता ने उल्हासनगर मनपा के अतिरिक्त आयुक्त किशोर गवस के कक्ष में जहर खाकर आत्महत्या करने की कोशिश की, क्योंकि उल्हासनगर मनपा के सभी चार प्रभाग समितियों में बड़ी संख्या में अनधिकृत निर्माण चल रहे हैं और कई शिकायतों के बावजूद इन निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई की जाती है। इस घटना के बाद भी उल्हासनगर महानगर पालिका के अधिकारियों ने किसी भी तरह की कार्रवाई शुरू नहीं की है.

■ ...जब बाड़ ही खेत खा जाए, तो रखवाली कौन करे?

अनाधिकृत निर्माणों को हटाने के लिए अधिकारी जिम्मेदार हैं। लेकिन कुछ साल पहले वार्ड-2 के सहायक आयुक्त अनिल खतूरानी को भी रिश्वत निरोधक विभाग ठाणे ने रंगे हाथों पकड़ा था। सरकारी नियमों के मुताबिक, रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़े गए अधिकारियों और कर्मचारियों को जनसंपर्क या वित्तीय लेनदेन वाले पदों पर नियुक्त नहीं किया जाना चाहिए। लेकिन उल्हासनगर मनपा प्रशासन इन नियमों का उल्लंघन कर रहा है. जब बाड़ ही खेत खा जाए, तो रखवाली कौन करे? ऐसे विवादास्पद अधिकारियों को अनधिकृत निर्माण हटाने की जिम्मेदारी सौंपकर कार्रवाई की उम्मीद करना गलत होगा।

■ नदी तट में अनधिकृत निर्माण

शहर में कई स्थानों पर वालधुनी नदी के तट को भरकर अनधिकृत निर्माण किया जा रहा है, शांतिनगर के पास वालधुनी के नदी तट के पास आरक्षित भूमि को भरकर उस पर विवाह भवन बना दिया गया है।

शहर में छोटे-बड़े नालों को भरकर अनधिकृत निर्माण भी कर लिया गया है। ऐसे निर्माणों से बाढ़ की स्थिति का खतरा और भी बढ़ गया है। इसके अलावा कई जगहों पर अवैध रूप से पेड़ काटकर अवैध निर्माण के मामले भी सामने आए हैं.

उल्हास नदी को प्रदूषण मुक्ति के लिए आंदोलन!

कल्याण. उल्हास नदी को प्रदूषण मुक्त बनाने में सरकार और प्रशासन की ढिलाई के खिलाफ पूर्व नगरसेवक एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। 'मी कल्याणकर' सामाजिक संस्था के अध्यक्ष और पूर्व नगरसेवक नितिन निकम ने 12 घंटे तक उल्हास नदी में खड़े होकर विरोध प्रदर्शन किया. इस मौके पर उनके साथ पूर्व नगरसेवक उमेश बोरगांवकर और कैलास शिंदे भी शामिल हुए.

कल्याण-डोंबिवली के लाखों लोग उल्हास नदी के पानी से अपनी प्यास बुझाते हैं। कल्याण-डोंबिवली मनपा उल्हास नदी से पानी लेकर शहर के नागरिकों को पानी की आपूर्ति करता है, लेकिन नदी कई स्थानों पर अत्यधिक प्रदूषित हो गई है। कहीं नाले का पानी तो कहीं रासायनिक पानी बिना ट्रीटमेंट के नदी में छोड़ा जा रहा है। परिणामस्वरूप उल्हास नदी प्रदूषित हो गई है। इसके स्थायी समाधान की मांग को लेकर नितिन निकम पिछले कई वर्षों से विभिन्न तरीकों से आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन उसके बाद भी शासन-प्रशासन इस संबंध में कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है, जिससे लाखों लोगों के लिए स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्या पैदा हो गई है. इस पृष्ठभूमि में, नितिन निकम ने गुरुवार (29 तारीख) सुबह एक अनोखा विरोध प्रदर्शन किया।

बालाजी ज्वेलर्स में हुई चोरी का हुआ खुलासा

- उल्हासनगर क्राइम ब्रांच के शिकंजे में आरोपी
- साढ़े दस लाख के गहने जब्त

उल्हासनगर. बदलापुर पूर्व में बालाजी ज्वेलर्स से 15 तोला सोने के आभूषण चोरी करने वाला आरोपी आखिरकार उल्हासनगर क्राइम ब्रांच की पुलिस की गिरफ्त में आ गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर पुलिस ने 10 लाख 85 हजार रुपये के सोने के गहने जब्त कर लिये. इस जांच से बदलापुर शहर में पुलिस प्रशासन की कार्यकुशलता की प्रशंसा हो रही है.

26 अगस्त को बालाजी ज्वेलर्स दुकान से 15 तोला सोना चोरी का मामला बदलापुर पूर्व थाने में दर्ज कराया गया था. इस घटना का वीडियो सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया. उल्हासनगर क्राइम ब्रांच के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कोली एवं उनकी टीम को सौंपी गई। अपराध शाखा के पुलिस कांस्टेबल राजेंद्र थोर्वे के नेतृत्व में एक जांच दल ने घटनास्थल पर जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज की बारीकी से निगरानी करने के बाद, खुफिया जानकारी के आधार पर आरोपी का पता लगाया गया। जांच के बाद आरोपी अमित विजय गुप्ता (40) को रमेशवाड़ी, बैराज रोड इलाके से गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार आरोपी के पास से कुल 15 तोला 05 ग्राम सोने के आभूषण बरामद किये गये हैं. जिसकी कीमत 10 लाख 85 हजार रुपये बताई जा रही है. इस जांच से बदलापुर शहर के नागरिकों में सुरक्षा को लेकर एक नया विश्वास पैदा हुआ है. इस जांच में उल्हासनगर क्राइम ब्रांच की पुलिस ने जो तत्परता दिखाई वह सराहनीय है.

पत्रकार सुरक्षा कानून लागू किया जाए

- अंबरनाथ के पत्रकारों ने तहसीलदार को दिया निवेदन

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ के पत्रकारों ने तहसीलदार से भेंट करके पत्रकारों के लिए सरकार द्वारा बनाए गए पत्रकार सुरक्षा कानून को लागू करने की मांग को लेकर तहसीलदार अमित पुरी को पत्र देकर ये भी मांग की है कि बदलापुर के पूर्व नगराध्यक्ष वामन म्हात्रे, जिन्होंने गत दिनों एक महिला पत्रकार के साथ अपशब्द का प्रयोग करके उनको अपमानित किया था, उन्हें पत्रकार सुरक्षा कानून के अनुसार गिरफ्तार किया जाए.

पिछले सप्ताह बदलापुर में दो मासूमों के साथ संवेदनशील घटना हुई थी. मुंबई से प्रकाशित होने वाले एक मराठी अखबार की महिला पत्रकार ने इस घटना की रिपोर्टिंग की थी. वामन म्हात्रे ने उस महिला पत्रकार से ये कहा कि तुमने तो ऐसा रिपोर्टिंग किया है, जैसे के तुम्हारे साथ ही बलात्कार हुआ है.

महिला पत्रकार ने एट्रोसिटी एवं अत्याचार, छेड़छाड़ का मामला पुलिस में दर्ज कराया है. वामन म्हात्रे अब अग्रिम जमानत लेने के लिए न्यायालय के चक्कर काट रहे हैं. इस मामले को लेकर अंबरनाथ के पत्रकार सुनिल अहिरे, सीजर लॉरेंस, यूसुफ शेख, शत्रुघ्न उमप, तनवीर शेख, प्रपुल्ल थोरात, निसार खान, परेश भानुशाली, उस्मान शाह, अजय राव, पांडुरंग रानाडे, अशोक नायक, राजगुरु आदि ने बुधवार को तहसीलदार से भेंट करके उन्हें निवेदन दिया है.

इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर नाबालिग लड़की से दुष्कर्म!

उल्हासनगर. उल्हासनगर में एक दिलदहला देने वाली घटना घटी है, जहां इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर एक नाबालिग लड़की को शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया। सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल के कारण किशोरों में ऑनलाइन दोस्ती का चलन बढ़ गया है।

ऐसी ही घटना शहर में एक 15 साल की नाबालिग लड़की के साथ हुई है. इस लड़की की जान-पहचान इंस्टाग्राम के जरिए एक 22 साल के युवक से हुई. इन मुलाकातों के दौरान यह पहचान बाद में मुलाकातों में बदल गई पीड़िता को शादी का प्रलोभन देकर उसके साथ दुष्कर्म किया. पीड़िता के माता-पिता उसे जांच के लिए अस्पताल ले गए क्योंकि वह पिछले कुछ महीनों से पेट दर्द से पीड़ित थी। डॉक्टर की जांच से पता चला कि लड़की गर्भवती थी। इस संबंध में विठ्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में आरोपी के खिलाफ POCSO एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अनिल पडवाल के मार्गदर्शन में पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है अभिभावकों से अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों को लेकर सतर्क रहने की अपील की।

मूर्तिकार जयदीप आप्टे के घर पर कालिख पोती

संभाजी ब्रिगेड ने आप्टे के घर के सामने किया विरोध प्रदर्शन

कल्याण. मालवण राजकोट में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति गिरने को लेकर कल्याण में मूर्तिकार जयदीप आप्टे के घर के सामने जोरदार संभाजी ब्रिगेड के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। इस समय आप्टे के बंद दरवाजे पर कालिख पोती गई. मूर्तिकार आप्टे ने छवि पर शिवद्रोही लिखा और आप्टे के दरवाजे पर प्रदर्शित किये।

इस समय संभाजी ब्रिगेड के कार्यकर्ताओं ने शिल्पकार आप्टे का समर्थन करने वाले मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की भी आलोचना की. ब्रिगेड अधिकारियों ने आप्टे की निंदा करते हुए कहा कि उसने घटिया काम करके महाराजा का अपमान किया है। दुनिया का गौरव छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के ढहने के दो मुख्य कारण हैं, इस प्रतिमा के काम में हुई गड़बड़ी और घटिया गुणवत्ता का काम। इसलिए घटिया काम करने वाले मूर्तिकार जयदीप आप्टे को सबक सिखाए बिना नहीं रहेंगे।

इस समय ब्रिगेड के अधिकारियों ने आप्टे के बंद घर के दरवाजे पर कालिख पोत दी। दरवाज़ा बंद था. परिजनों के मुताबिक, मूर्ति ढहने की घटना के बाद मूर्तिकार जयदीप आप्टे सिंधुदुर्ग जाने की बात कहकर घर से निकले हैं. उसका मोबाइल बंद है.

मालवन थाने में शिल्पकार आप्टे के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. गुरुवार सुबह मालवन पुलिस कल्याण में दाखिल हुई. उन्होंने बाजार पुलिस की मदद से आप्टे के घर का दौरा किया। उनकी पत्नी निशिगंधा सुरक्षा कारणों से कल्याण स्थित घर में रहने के बजाय अपनी मां और पिता के साथ रहने चली गई हैं। पुलिस ने उसके घर जाकर उसका बयान दर्ज किया.

काकरानी हत्या मामला

आरोपी चालक पहले भी कर चुका है कई अपराध

- 17 सेक्शन में चलाता था टीवी रिपेयरिंग की दुकान
- आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर

उल्हासनगर. पेट्रोल पंप मालिक रामचंद्र काकरानी की हत्या मामले के मुख्य संदिग्ध आरोपी ड्राइवर मुकेश खूबचंदानी को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस ने बड़े पैमाने पर अभियान चलाया है. ककरानी की हत्या का खुलासा होने के बाद फरार ड्राइवर की जांच शुरू कर दी गई है. इस जांच में पता चला है कि मुकेश पर पहले से ही कई गंभीर अपराधों का रिकॉर्ड है. पुलिस को पता चला है कि पुलिस कार्रवाई से बचने के लिए वह भी 'पागल' हो जाता था।

संदिग्ध आरोपी मुकेश खूबचंदानी उल्हासनगर के सेक्शन 17 स्थित मारुति कॉम्प्लेक्स में टीवी रिपेयरिंग की दुकान चलाता था. लेकिन अपने छोटे से बिजनेस की आड़ में उसने कई अपराधों को अंजाम दिया है. कुछ साल पहले, मुकेश ने दिल्ली से व्यापारिक माल

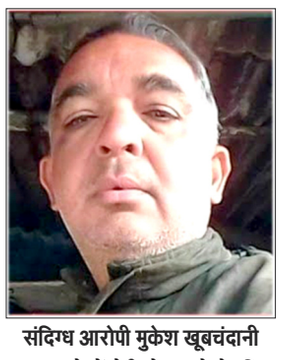

संदिग्ध आरोपी मुकेश खूबचंदानी

मृतक रामचंद्र काकरानी

प्राप्त करने में देरी से बचने के लिए गोल्डन टेम्पल मेल ट्रेन में बम होने की झूठी सूचना पुलिस को दी थी। इस घटना के बाद रेलवे पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया. उसके अपराधों की फेहरिस्त यहीं खत्म नहीं होती. उन्हें गुटखा तस्करी मामले में भिवंडी से गिरफ्तार किया गया था. वापी से शराब लाकर उल्हासनगर में बेचने की कोशिश के दौरान वह पुलिस के रडार पर आया। इसके अलावा मुकेश ने भोपाल में सिल्वर पैलेस सोसायटी में अपनी बहन की ससुराल में चोरी का प्रयास किया था। इतना ही नहीं, उल्हासनगर के रामायण नगर में एक बुजुर्ग महिला को फूड डिलीवरी बॉय बताकर उसके घर में घुसकर चोरी कर ली। हालाँकि इन सभी मामलों में मुकेश पर मामला दर्ज किया गया था, लेकिन कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए उसने खुद को पागल साबित कर दिया। यह नाटक कर वह कई बार पुलिस के हाथ से बच चुका है।

मुकेश खूबचंदानी का पिछला आपराधिक रिकॉर्ड बताता है कि पैसे और आपराधिक प्रवृत्ति के कारण उन्होंने यह कदम उठाया होगा। मुकेश खूबचंदानी फिलहाल फरार है और पुलिस ने उनका पता लगाने के लिए हरसंभव प्रयास शुरू कर दिए हैं। शहर में प्रमुख स्थानों पर नाकेबंदी, सीसीटीवी फुटेज की जांच और विभिन्न रिपोर्टों के माध्यम से उसका पता लगाया जा रहा है।

जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से बेहतर स्वयं पर विजय प्राप्त कर लो. फिर जीत हमेशा तुम्हारी होगी, जिसे तुमसे कोई नहीं छिप सकता. - महात्मा गौतम बुद्ध

उल्हास विकास संपादकीय

भारतीय छात्रों के भविष्य पर संकट

भारतीय युवाओं में विदेश जाकर पढ़ाई करने और वहीं कोई अच्छा रोजगार तलाश लेने की प्रवृत्ति पिछले कुछ समय से काफी बढ़ी है। इसके लिए भारतीयों के पसंदीदा देशों में कनाडा भी शामिल है। हर वर्ष बड़ी संख्या में भारतीय युवा वहां पढ़ाई करने जाते हैं। वहां छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ अस्थायी तौर पर नौकरी भी मिल जाती है। मगर, अब कनाडा सरकार ने अपनी आव्रजन नीति में बदलाव कर दिया है, जिससे वहां रह रहे भारत समेत अन्य देशों के विद्यार्थियों के भविष्य पर अनिश्चितता के बादल मंडराने लगे हैं। इनमें से बहुत से युवाओं को निर्वासन की चिंता सताने लगी है।

इसके विरोध में सैकड़ों भारतीय छात्र कनाडा की सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। दरअसल, कनाडा सरकार ने अब उन क्षेत्रों में विदेशी कामगारों को 'परमिट' न देने का फैसला किया है, जहां बेरोजगारी दर छह फीसद या उससे ज्यादा है। कम वेतन वाली अस्थायी नौकरियों के लिए 'परमिट' दो के बजाय अब एक वर्ष के लिए जारी होंगे। इसका मकसद कनाडा की बढ़ती आबादी और बेरोजगारी दर को नियंत्रित करने के लिए अप्रवासियों की संख्या को सीमित करना है।

कनाडा की नई आव्रजन नीति का सबसे ज्यादा असर भारतीय छात्रों पर पड़ेगा। जो छात्र पढ़ाई के साथ-साथ अस्थायी नौकरी कर रहे हैं, उनके 'परमिट' की अवधि जल्द खत्म हो जाने से उन्हें अपना खर्चा जुटाना मुश्किल हो जाएगा। इसीलिए भारतीय छात्र कनाडा में जगह-जगह प्रदर्शन कर नई आव्रजन नीति का विरोध कर रहे हैं। छात्रों का कहना है कि इस वर्ष के अंत में जब छात्रों के 'वर्क परमिट' समाप्त हो जाएंगे, तो उन्हें निर्वासित किया जा सकता है। वैसे यह पहली बार नहीं है, जब कनाडा में भारतीय विद्यार्थियों के भविष्य पर संकट मंडरा रहा है।

कभी नस्लीय हिंसा, कभी आतंकी गतिविधियों, तो कभी वीजा एजंटों की धोखाधड़ी की वजह से वहां भारतीय छात्रों के लिए मुश्किलें खड़ी होती रही हैं। भारत सरकार को इस पक्ष पर गंभीरता से विचार करना होगा कि जिन सुविधाओं और बेहतर भविष्य की चाह में युवा विदेश जाते हैं, क्यों न उन्हें अपने देश में ही वह सब उपलब्ध कराया जाए। इससे भारत से बौद्धिक पलायन भी काफी हद तक रुकेगा।

संस्कृति और सभ्यता के संरक्षण का सवाल..

बांग्लादेश की अशांति से समूचा विश्व इस बात को लेकर चिंतित है कि वहशी भीड़ ने आखिर उन लोगों को क्यों निशाना बनाया, जो जिम्मेदार नागरिक होने के साथ देश के विकास में किसी न किसी रूप में अपना योगदान कर रहे थे। इससे भी ज्यादा चिंता की बात यह है कि उन्मादी अपनी ही धरोहर और संस्कृति को नष्ट करने पर आमादा हैं। इन्हें समझ नहीं है कि पुरातात्विक महत्व की अमूल्य वस्तुओं को जलाकर वे अपने ही देश का नुकसान कर रहे हैं। धरोहर, पर्यटन और अर्थ, तीनों एक-दूसरे से जुड़े हैं। कई देशों की अर्थव्यवस्था धरोहरों पर ही निर्भर है। इससे उन्हें क्या हासिल होने वाला है?

आखिर क्या मिला प्रख्यात लोकगायक राहुल आनंद के 140 साल पुराने घर पर हमला कर और उनके तीन हजार से ज्यादा दुर्लभ वाद्ययंत्रों को जला देने से? कई देशों से ये वाद्ययंत्र उन्होंने संकलित किए थे। घर के एक कमरे को राहुल ने संग्रहालय में तब्दील कर दिया था। कमरे में ही उनका 'जोलेर गान' ग्रुप अभ्यास और रिकॉर्डिंग करता था। वह किसी तरह पत्नी और बेटे को लेकर पीछे के दरवाजे से निकल सके। अन्यथा भीड़ फिल्म निर्माता सलीम खान और उनके बेटे शांतो खान की तरह उनका भी वही हाल कर सकती थी। बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान की प्रतिमा को तोड़ दिया। जब हम किसी शहर में जाते हैं, तब किसी न किसी महान हस्ती की प्रतिमा देखने को मिल जाती है। यह कालांतर में धरोहर बन जाती है। भीड़ ने इंदिरा गांधी भारतीय सांस्कृतिक केंद्र पर हमला किया। सुनामगंज में बंगबंधु लिबरेशन वॉर म्यूजियम में

रखीं दुर्लभ तस्वीरों और दस्तावेजों आदि को क्षति पहुंचाई।

ढाका एक शहर ही नहीं, बल्कि दुनिया के प्रमुख सांस्कृतिक केंद्रों में से एक रहा है। धन संपदा क्षति की भरपाई हो सकती है, लेकिन धरोहर और पुरातात्विक वस्तुओं की नहीं। सभ्यता और संस्कृति को तहस-नहस करने का सिलसिला दुनिया में सैकड़ों वर्षों पहले से चला आ रहा है। यूनेस्को के वर्ल्ड हेरिटेज सेंटर गठित किए जाने के बाद भी इसे रोकने के ठोस उपाय नहीं किए गए। धरोहर नष्ट करने की पहली घटना इतिहास में 330 ईस्वी की मिलती है, जब सिकंदर ने फारस की राजधानी पर्सेपोलिस पर हमला कर वहां की सभ्यता को भारी क्षति पहुंचाई। भारत में खिलजी, गुलाम, तुगलक, मुगल और फिर अंग्रेज हुकूमत ने यही किया। अंग्रेजों ने तो मुगलों की कई इमारतों के प्रमुख हिस्सों को तोड़कर अपनी जरूरत के हिसाब से इस्तेमाल किया। लाल किले में रंग महल को सैनिकों की रसोई में तब्दील कर दिया। वर्ष 1193 में दीन मुहम्मद बिन अख्तियार खिलजी ने नालंदा विश्वविद्यालय को क्षति पहुंचाई।

ओपयम युद्ध के दौरान वर्ष 1860 में ब्रिटेन और फ्रांस की सेनाओं ने चीन के युवानमिंगयुन स्थित ग्रीष्मकालीन शाही महल में आग लगा दी और यहां रखीं कलाकृतियां, स्वर्ण व चांदी जड़ित कलात्मक वस्तुएं लूट ले गईं। 14 अगस्त, 1900 को चीन में बॉक्सर विद्रोह को कुचलने के लिए ब्रिटेन, अमेरिका, फ्रांस, ऑस्ट्रिया, हंगरी, इटली के 19 हजार सैनिकों ने बीजिंग पर कब्जा कर पुरातात्विक महत्व की हजारों वस्तुएं लूटीं। ऐसी कई घटनाओं के बाद 1899 में हेग सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें मसौदा तैयार कर सभी देशों से अपील की गई कि युद्ध के दौरान ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, धार्मिक स्थलों और स्मारकों को क्षति नहीं पहुंचाएं। हालांकि इस समझौता पत्र पर बेनिन और चीन ने हस्ताक्षर करने से इन्कार कर दिया था।

द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान नाजियों ने सोवियत संघ और पोलैंड में कला व संस्कृति से संबंधित वस्तुएं लूटीं और जर्मनी ले जाकर तहस-नहस कर दीं। 1917 में रूस की बोल्शेविक हुकूमत ने महलों, संग्रहालयों, चर्चों से प्राचीन कलाकृतियां जब्त कर लीं। चीन में माओत्से तुंग के नेतृत्व में कम्युनिस्ट सत्ता ने 1966 में मठों, म्यूजियम आदि पर पहरा बिठा दिया। कम्युनिस्ट सत्ता ने सबसे ज्यादा क्षति तिब्बत में पहुंचाई। 1949 से पहले तक यहां छह हजार से अधिक मंदिर और मठ थे, अब केवल 13 बचे हैं। 2012 में इस्लामी आतंकियों ने माली के टिंबुकटू शहर पर हमला कर ज्यादातर समाधियां नष्ट कर दीं। अफगानिस्तान में बामियान स्थित बुद्ध की विशाल प्राचीन प्रतिमा को तालिबान ने विकृत कर दिया। रूस और फ्रांस क्रांति में भी यही हुआ।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

अगर हममें से हरेक क्षमावान हो जाए, तो शीघ्र ही यह संसार अधिक प्रेमपूर्ण और शांत हो जाएगा।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चौनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

कोलकाता की घटना पर जनता का गुस्सा

सर्वोच्च न्यायालय की दखल के बाद कोलकाता चिकित्सक बलात्कार और हत्या मामले को लेकर उभरा लोगों का रोष कुछ कम हो जाएगा, मगर वह और बढ़ता जा रहा है। अदालत ने घटना के विरोध में आंदोलन कर रहे चिकित्सकों से काम पर लौटने की अपील की थी। मामले पर कार्रवाई में बरती गई शिथिलता और लापरवाहियों को लेकर पुलिस और चिकित्सालय प्रशासन को फटकार लगाई थी। मगर उससे लोगों का गुस्सा शांत नहीं हो पा रहा। मंगलवार को पश्चिम बंग छात्र समाज ने 'नवान्न' अभियान शुरू कर दिया।

बताया जा रहा है कि यह छात्रों का गैरराजनीतिक मंच है और इसकी तीन प्रमुख मांगें हैं- पीड़िता को न्याय मिले, मुख्यमंत्री अपने पद से इस्तीफा दें और अपराधी को मृत्युदंड मिले। अब छात्रों के विरोध में कुछ सरकारी कर्मचारी संगठनों ने भी अपना स्वर मिला दिया है। उधर भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को बारह घंटे के बंगाल बंद का आह्वान किया था, जिसमें पार्टी कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच कई जगह झड़पें भी हुईं। ऐसे वातावरण में राष्ट्रपति ने भी अपने संबोधन में कहा कि अब समय आ गया है कि बेटियों पर अत्याचार को सहन न किया जाए। किसी भी हाल में महिलाओं का उत्पीड़न रुकना चाहिए।

स्वाभाविक ही इस विरोध प्रदर्शन से ममता बनर्जी सरकार की मुश्किलें बढ़ गई हैं। हालांकि इस मामले पर सियासी बयानबाजियां भी तेज हो गई हैं। ममता बनर्जी इन विरोध प्रदर्शनों के पीछे भाजपा का हाथ बता रही हैं और उनका आरोप है कि केंद्र सरकार, पश्चिम बंगाल सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रही है।

विपक्षी गठबंधन के नेता भी इसमें सियासी रंग घोल रहे हैं। इस तरह कोलकाता बलात्कार और हत्या प्रकरण में अब असल मुद्दे पर कार्रवाई से अधिक राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है।

हालांकि इस घटना को बीस दिन हो गए और शुरू में ही ममता बनर्जी ने इस पर सख्त रुख अख्तियार कर लिया था। आरोपी को फौरन गिरफ्तार कर लिया गया, लापरवाही बरतने वाले अस्पताल प्रशासन के खिलाफ भी कार्रवाई कर दी गई। मामले की जांच का जिम्मा सीबीआइ को सौंप दिया गया। सर्वोच्च न्यायालय लगातार इस मामले पर नजर बनाए हुए है। आरोपी के सच से सामना कराने से कुछ तथ्य सामने आने की उम्मीद बनी हुई है। मगर लोगों की नाराजगी कम होने का नाम नहीं ले रही, तो इसकी कुछ वजहें साफ हैं। अभी तक अनेक आपराधिक मामलों में ममता बनर्जी सरकार का रवैया संतोषजनक नहीं देखा गया है। उन सबका मिलाजुला, लंबे समय से जमा रोष इस घटना के बाद फूट पड़ा है।

कोलकाता चिकित्सक बलात्कार और हत्या कांड को लेकर पूरे देश में आक्रोश प्रकट हुआ है, तो उसके पीछे भी बड़ी वजह महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बरती जा रही शिथिलता है। राष्ट्रपति के बयान को गंभीरता से लेने की जरूरत है कि निर्भया कांड के बारह बरस बाद भी ऐसे जघन्य अपराध रुकने का नाम नहीं ले रहे। मगर जब तक सरकारें राजनीतिक नफे-नुकसान से ऊपर उठ कर इस दिशा में सामूहिक प्रयास से कोई व्यावहारिक और कारगर कदम नहीं उठाएंगी, तब तक ऐसी घटनाओं पर रोक लगाना मुश्किल बना रहेगा। ममता बनर्जी को इसे राजनीतिक रस्साकशी का मुद्दा बनाने के बजाय लोगों को यह भरोसा दिलाना होगा कि वे महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर हैं और बलात्कार तथा हत्या मामले में न्याय दिलाने का हर प्रयास करेंगी।

गाय-भैंस की तरह डोरी से बांधा साबुन

याद करिए वो दौर, जब ट्रेन के बाथरूम में स्टील ये मग रखे होते थे. उन्हें चेन से बांधकर रखा जाता था, जिससे कोई उन्हें चुरा न ले जाए. अब वक्त बदल गया है, अब तो बाथरूम में वॉटर जेट लगे होते हैं. पर सामानों को चोरी से बचाने का ये जुगड़ा आज भी कारगर है. इन दिनों एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें हाथ धोने के लिए साबुन को रखा गया है, मगर उसे चोरी से बचाने के लिए डोरी से बांधकर रखा गया है. जिस तरह गाय-भैंस को लोग सीकड़ से बांधकर रखते हैं,

जरा हट के

उसी तरह साबुन को रखा देख लोगों के होश उड़े जा रहे हैं. बहुत से लोगों ने तंज कसते हुए कहा- "अब तो देश में साबुन भी सुरक्षित नहीं है!"

इंस्टाग्राम यूजर विजय कटोच (@stuntsoul) ने हाल ही में एक वीडियो पोस्ट

किया है, जो किसी पहाड़ी इलाके के पास बने घरों या होटल का लग रहा है. वो किसी जगह पर हाथ धोने के लिए रुके, जब उन्हें अचानक एक पानी की टंकी दिखी. उसके बगल में एक साबुन रखा था. साबुन देखते ही उन्होंने इसका वीडियो बना लिया और पूछने लगे कि आखिर हमारे देश में सही मायनों में अच्छे दिन कब आएंगे?

इस वीडियो में आप देख सकते हैं कि साबुन के बीच में छेद किया गया है, और फिर उसके आर-पार डोरी डालकर उसे किसी चीज से बांध दिया गया है. इस तरह साबुन को वहां से ले जाना मुश्किल है. हालांकि, सोचने वाली बात है कि साबुन जैसी चीज को इस तरह कब तक सुरक्षित रखा जा सकता है, क्योंकि जितना पतला वो साबुन दिख रहा है, उसे बड़ी आसानी से बीच से तोड़ा जा सकता है, या फिर किसी चीज से काटकर उसे बीच से अलग किया जा सकता है. जो भी हो, ये देखने को काफी हैरान करने वाला नजारा है.

कमजोर याददाश्त को तेज कर सकते हैं ये 3 योगासन

बढ़ती उम्र के साथ याददाश्त कमजोर होना एक आम बात है। उम्र के साथ शरीर ही नहीं बल्कि मस्तिष्क भी बूढ़ा होने लगता है। लेकिन चिंता की बात तब महसूस होने लगती है, जब कम उम्र में ही बच्चे और युवा चीजें रखकर भूलने या फिर पढ़ाई में अच्छी तरह फोकस ना कर पाने जैसी शिकायतें करने लगते है। जी हां, आजकल कई पेरेंट्स बच्चों की याददाश्त कमजोर होने की शिकायत करते हैं। उनकी शिकायत रहती है कि बच्चों का ध्यान पढ़ाई में बिल्कुल नहीं लगता या फिर वो याद किया हुआ पाठ जल्दी भूल जाते हैं। अगर आपकी भी अपने बच्चे से यही शिकायत है तो उसके रूटिन में ये 3 योगासन जरूर शामिल करें।

■ पद्मासन योग

पद्मासन को कमल मुद्रा के नाम से भी जाना जाता है। यह योग मांसपेशियों के तनाव को कम करके मन को शांति प्रदान करने में मदद कर सकता है। इस योगा का अभ्यास करने से दिमाग तेज होने के साथ मस्तिष्क की कार्यप्रणाली में भी सुधार हो सकता है। पद्मासन योग करने के लिए सबसे पहले एक शांत जगह पर बैठकर अपने दाहिने घुटने को मोड़कर उसे बाएं जांघ के ऊपर रखें। इस स्थिति में आपके दाहिने पैर का तलवा ऊपर की और होना चाहिए और एड़ी पेट के पास होनी चाहिए। इसी तरह बाएं पैर को मोड़कर दाएं जांघ के ऊपर रखें। ऐसा करते हुए आपके दोनों पैरों में क्रॉस बनना चाहिए। अब अपने दोनों हाथों को घुटनों पर ध्यान की मुद्रा में रखते हुए गहरी और लंबी सांस लें। ऐसा करते हुए अपना पूरा ध्यान सांसों पर रखें। ऐसा करने से आपको बाहरी तनाव और चिंता महसूस नहीं होगी।

■ पश्चिमोत्तानासन

पश्चिमोत्तानासन करने के लिए पैरों को फैलाकर बैठें और शरीर को आगे की ओर झुकाएं। इस आसान को करते समय आगे की तरफ झुकने से दिमाग में ब्लड का सुर्कलेशन बढ़ता है। जिससे दिमाग शांत रहने के साथ मेंटल हेल्थ अच्छी बनी रहती है। पश्चिमोत्तानासन रने के लिए जमीन पर दोनों पैरों को एकदम सीधे फैलाकर बैठ जाएं। ऐसा करते हुए अपने दोनों पैरों को जितना संभव हो सीधा रखते हुए दोनों पैरों के बीच दूरी न रखें। अब गर्दन, सिर और रीढ़ की हड्डी को सीधा रखते हुए अपनी दोनों हथेलियों को दोनों घुटनों पर रखें। अब अपने सिर और धड़ को आगे की ओर झुकाएं और अपने घुटनों को बिना मोड़े हाथों की उंगलियों से पैरों की उंगलियों को छूने की कोशिश करें। ऐसा करते हुए गहरी सांस लें और छोड़ें। अपने सिर से दोनों घुटनों को और कोहनी से जमीन को छूने की कोशिश करें। फिर सामान्य मुद्रा में आकर रिलेक्स होकर सांस लें। इस आसन को 3 से 4 बार दोहराएं।

■ शवासन

कई बार टेंशन या परेशानी की वजह से भी दिमाग शांत नहीं रह पाता है। जिसकी वजह से दिमागी सेहत खराब होने लगती है। ऐसे में दिमाग को रिलैक्स करने के लिए आप शवासन की मदद ले सकते हैं। शवासन करने के लिए सबसे पहले एक योगा मैट पर पीठ के बल लेट जाएं। ऐसा करते हुए अपने हाथ और पैरों को बराबर में रखकर रिलैक्स छोड़कर गहरी और लंबी सांस लें।

शकरकंदी और चने की सब्जी

शकरकंदी की चाट और छोले के साथ चावल खाने में काफी अच्छे लगते हैं। लेकिन क्या आपने कभी इन दोनों चीजे यानी शकरकंदी और चने को मिलाकर बनाया है? नहीं, तो इस बार इसे बनाने की कोशिश करें। इस सब्जी को आप चावल के साथ या फिर रोटी के साथ सर्व कर सकते हैं। जो लोग हमेशा कुछ अलग और टेस्टी खाना पसंद करते हैं उनको इस करी का स्वाद खूब पसंद आएगा।

सामग्री :

- 1 कप चना भीगा हुआ
- 1 शकरकंद टुकड़ों में कटी हुई
- 1 प्याज कटी हुई
- 2 कलियां लहसुन बारीक कटा हुआ
- 2 चम्मच अदरक का पेस्ट
- 1 कटा हुए टमाटर
- 1 शकरकंद टुकड़ों में कटी हुई
- 1 बड़ा चम्मच गरम मसाला
- 1 चम्मच पिसा हुआ जीरा
- 1 चम्मच पिसी हुई हल्दी
- आधा छोटा चम्मच नमक या फिर स्वादानुसार
- आधा छोटा चम्मच लाल चिली फ्लेक्स
- 1 मुट्ठी कटा हुआ फ्रेश धनिया
- 3 बड़े चम्मच तेल

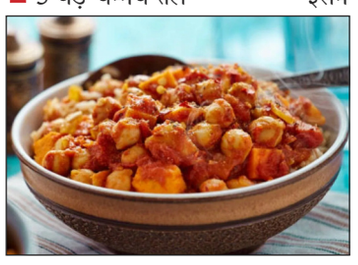

विधि :

मीडियम आंच पर एक कड़ाही में तेल गर्म करें। गर्म तेल में प्याज, लहसुन और अदरक को नरम होने तक भूनें। फिर लगभग 5 मिनट तक पकाएं। अब इसमें टमाटर की प्यूरी डालें। अच्छी तरह से भून लें। जब हल्का पानी नजर आए तब इसमें जीरा, हल्दी, नमक और चिली फ्लेक्स डालें। अच्छे से इसे भून लें। फिर इसमें भीगे हुए चने और शकरकंद डालें। फिर इसे आंच धीमी करके उबाल लें। दोनों चीजों को अच्छे से नरम होने दें। जब नरम हो जाए तो इसमें गरम मसाला डालें। फिर लगभग 12 से 15 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं। अंत में हरा धनिया से गार्निश करें और फिर इसे रोटी के साथ सर्व करें। आप इसे फटाफट बनाना चाहते हैं तो चने और शकरकंदी को पहले से उबालकर भी यूज कर सकते हैं।

पायरिया से लेकर ब्लडप्रेशर तक में फायदा पहुंचा सकता है टिमरू

- ये हैं उत्तराखंड की पहाड़ी नीम के आयुर्वेदिक फायदे
- टिमरू को किस जगह किस नाम से जानते हैं लोग

तिमूर रूटेसी (Rutaceae) परिवार से सम्बन्ध रखता है, जिसका वैज्ञानिक नाम जेंथेजाइलम अरमेटम (Zanthoxylum Armatum) है। टिमरू को लोग अलग-अलग नाम से जानते हैं। बता दें, उत्तराखंड के गढ़वाल में टिमरू तो कुमाऊं में तिमूर, संस्कृत में तुम्बरु, जापान में किनोमे, नेपाल में टिमूर, यूनानी में कबाब-ए-खंडा, हिंदी में तेजबल और नेपाल में धनिया नाम से टिमरू को जाना जाता है। टिमरू का हर हिस्सा तना, लकड़ी, छाल, फूल, पत्ती से लेकर बीज तक औषधीय गुणों से भरपूर होते हैं।

■ दांतों और मसूड़ों की देखभाल-

टिमरू की मुलायम टहनियों को दांत पर रगड़ने से उनमें चमक आती है। इसके अलावा यह दांतों को मजबूत बनाए रखने के साथ कीड़ा लगने से भी बचाता है। बता दें, यह मसूड़ों की बीमारी के लिए रामबाण इलाज है, उत्तराखंड के कई गांव में आज भी लोग इसकी टहनियों से ही मंजन करते हैं।

■ पायरिया से छुटकारा-

इस पहाड़ी नीम की छाल का यूज पायरिया की समस्या से छुटकारा पाने के लिए किया जाता है। इसके लिए टिमरू की लकड़ी को दातुन कि तरह चबाया जाता है।

■ ब्लड प्रेशर रखें कंट्रोल-

तिमूर के बीज में मौजूद पोटैशियम का सेवन करने से बीपी कंट्रोल रखने में मदद मिल कती है। इसके अलावा तिमूर की काटेदार टहनियां एक्यूपंक्चर के लिए भी इस्तेमाल की जाती हैं, जिससे बढ़ा हुआ ब्लड प्रेशर तुरंत कंट्रोल हो जाता है।

■ मुंह की बदबू से छुटकारा-

तिमूर के बीज माउथ फ्रेशनर के रूप में प्रयोग कएि जा सकते हैं। इन बीजों को चबाने पर आपको पिपरमिंट जैसा स्वाद आएगा। यह उपाय मुंह से आने वाली गंदी बदबू को दूर करने में मदद करता है। इस उपाय को करने के लिए रोजाना रात को खाना खाने के बाद टिमरू के बीजों को चबाएं।

■ कब्ज से राहत-

टिमरू के बीजों को पेट की तकलीफों को दूर करने के लिए प्रयोग में लाया जाता है। टिमरू की मदद से पेट और पाचन से जुड़ी कई बड़ी समस्याओं को दूर किया जा सकता है। यदि किसी व्यक्ति को कब्ज, दस्त जैसी पेट से जुड़ी कोई समस्या है तो तिमूर के बीज आपको फायदा पहुंचा सकते हैं।

फैटी लीवर होने पर इन 5 गलतफहमियों से बचें

फैटी लीवर की समस्या इन दिनों कॉमन होती जा रही है। इसके लिए केवल शराब जिम्मेदार नही है बल्कि और भी कई सारे कारण हैं जो लीवर को फैटी बना रहे हैं।

■ केवल मोटे लोगों को होता है फैटी लीवर

ये पूरी तरह से मिथ है कि ओबेसिटी से ग्रस्त या मोटे लोगों को ही फैटी लीवर की समस्या होती है। पतले लोगों को भी खराब खानपान की वजह से लीवर में फैट जमा होने की समस्या हो जाती है।

■ केवल शराब पीने से होता है फैटी लीवर

एल्कोहलिक फैटी लीवर डिसीज के बारे में तो सभी जानते हैं लेकिन प्रैजेंट टाइम में नॉन एल्कोहलिक फैटी लीवर डिसीज के मामले बढ़ें हैं। जिससे पता चलता है कि बिना बीयर या एल्कोहल पिए ही फैटी लीवर की समस्या हो सकती है। ज्यादा मात्रा में चीनी या फलों से मिलने वाले फ्रक्टोज की वजह से भी फैटी लीवर हो जाता है।

■ लीवर फंक्शन नॉर्मल है तो नहीं है फैटी लीवर

अगर ब्लड रिपोर्ट में लीवर फंक्शन नॉर्मल है तो इसका मतलब ये नहीं कि लीवर फैटी नही है। फैटी लीवर डिसीज पता करने के लिए अलग से अल्ट्रासाउंड या फाइब्रोस्कैन टेस्ट करवाना पड़ता है। कई बार फैटी लीवर होने पर भी लीवर फंक्शन नॉर्मल रहता है।

■ केवल खानपान से जुड़ा है फैटी लीवर

केवल खानपान से फैटी लीवर जुड़ा है ये पूरी तरह से सही नही है। फैटी लीवर की समस्या कार्टिसोल लेवल के बढ़ने से भी जुड़ी होती है। जब आपकी नींद ठीक से पूरी नहीं होती है और स्ट्रेस लेवल बढ़ा रहता है तो भी फैटी लीवर की समस्या पैदा होने लगती है।

■ फैटी लीवर का इलाज नहीं है

ये पूरी तरह से मिथ है कि फैटी लीवर का इलाज नही है। सही खानपान और लाइफस्टाइल की मदद से फैटी लीवर की समस्या को ठीक किया जा सकता है।

आज का राशिफल

मेष : व्यवसाय-व्यापार मनोनुकूल चलेगा। आय बनी रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा, सावधानी रखें। बुरी खबर मिल सकती है। भागदौड़ अधिक रहेगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। मेहनत अधिक होगी। लाभ में कमी रह सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

वृषभ : सामाजिक कार्य करने का मन लगेगा। मान-सम्मान मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। शत्रु तथा ईर्ष्यालु व्यक्तियों से सावधानी आवश्यक है।

मिथुन : पुरानी संगी-साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। आत्मसम्मान बना रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग मिलेगा। कारोबार से लाभ होगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा।

कर्क : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें। उत्साह रहेगा।

सिंह : व्यापार में लाभ के अवसर मिलेंगे। कार्य में दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है। फालतू खर्च पर नियंत्रण नहीं रहेगा। अधिक मस्ती-मजाक करने से बचें। अपेक्षित काम में विलंब होगा। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। अपने काम से काम रखें। विवेक का प्रयोग करें। आय में वृद्धि होगी।

कन्या : आज की यात्रा लाभदायक रहेगी। संतान पक्ष से बुरी खबर मिल सकती है। डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। जल्दबाजी से काम बिगड़ सकते हैं। नए उपक्रम प्रारंभ करने संबंधी योजना बनेगी।

तुला : कोई बड़ी योजना आज फलीभूत होगी। सामाजिक कार्य करने में मन लगेगा। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड से लाभ होगा। आय में वृद्धि होगी। मान-सम्मान मिलेगा।

वृश्चिक : प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। चोट व रोग से कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। परिवार तथा मित्रों का सहयोग मिलेगा।

धनु : व्यापार में आज किसी व्यक्ति विशेष से कहासुनी हो सकती है। स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। दौड़धूप रहेगी। नकारात्मकता हावी रहेगी। वस्तुएं संभालकर रखें।

मकर : भाग्य का साथ मिलेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। राजकीय सहयोग मिलेगा। सरकारी कामों में सहूलियत होगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर में सुख-शांति रहेंगे। कारोबारी अनुबंध हो सकते हैं। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टनरों से सहयोग मिलेगा।

कुंभ : ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। शारीरिक कष्ट संभव है। भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। विवेक से कार्य करें।

मीन : पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। आनंद के साथ समय व्यतीत होगा। मनपसंद व्यंजनों का लाभ मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। किसी व्यक्ति से बहस हो सकती है। आशंका-कुशंका से बाधा होगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

आजमगढ़ में स्पा सेंटर में नाम पर चल रहा था सेक्स रैकेट, तीन युवतियों समेत सात गिरफ्तार

आजमगढ़. आजमगढ़ में एक किराए के मकान में स्पा सेंटर की आड़ में सेक्स रैकेट का खुलासा हुआ है। पुलिस ने मुखबीर से मिली सूचना के बाद छापेमारी कर तीन युवतियों और तीन युवकों को आपत्तिजनक हालत में यहां से पकड़ा है। स्पा सेंटर का मैनेजर भी गिरफ्तार कर लिया गया है। संचालक फरार हो गया है। मुखबिर से सूचना मिली कि मूसेपुर पुलिस चौकी से महज 100 मीटर दूर स्थित एक किराए के मकान में स्पा सेंटर के नाम पर काफी दिनों से देह व्यापार चल रहा है। सीओ सिटी गौरव शर्मा के साथ थानाध्यक्ष ने स्पा सेंटर पहुंचे। इस दौरान तीन युवक और तीन युवतियों को आपत्तिजनक हालत में पकड़ा गया।

ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आए बाइक सवार, बेटा और बेटी की मौत, दंपति बदहवास

गोंडा. गोंडा में पत्नी और बच्चों के साथ बाइक से ससुराल जा रहा युवक हादसे का शिकार हो गया। रास्ते में ट्रैक्टर-ट्रॉली से बाइक टकरा गई, जिससे बाइक पर बैठे सभी लोग उछलकर सड़क पर गिर गए। हादसे में दो मासूमों की मौत हो गई। जबकि पति-पत्नी घायल हो गए। दंपति बच्चों की मौत से बदहवास है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई में जुटी है। गुरुवार को मरौचा फखरपुर जिला बहराइच निवासी आलोक सिंह अपनी पत्नी सुमन सिंह, बेटा शिवा 3 वर्ष व बेटी आराध्या डेढ़ वर्ष को बाइक से अपने ससुराल काशीपुर करनैलगंज जा रहे थे तभी हुजूरपुर करनैलगंज मार्ग पर गड़रियन पुरवा के पास एक ट्रैक्टर-ट्राली की चपेट में आकर बाइक सवार दंपति के साथ दोनों मासूम गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें ई-रिक्शा से स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने दोनों मासूमों को मृत घोषित कर दिया वहीं हादसे से आहत पति पत्नी को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

उन्नाव में घर में पटाखा बनाते समय हुए भीषण विस्फोट, दो मंजिला इमारत ढही, 2 झुलसे

उन्नाव. उन्नाव के बारा सगवार थाना क्षेत्र के करनाईपुर गांव में गुरुवार सुबह कमरे में पटाखों के बनाने के दौरान विस्फोट होने से कई लोग झुलस गए। धमाका इतना तेज था कि दो मंजिला घर ढह गया और आसपास स्थित घरों को भी नुकसान पहुंचा। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने फायर स्टेशन और पुलिस को घटना की सूचना दी है। फोर्स ने मौके पर पहुंच मकान में फंसे झुलसे लोगों को बाहर निकाल कर स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया है। करनाईपुर गांव के रहने वाले सुनील कुमार अपने दो मंजिला घर में दीवाली को लेकर पटाखों के बनाने का कार्य कर रहा था। घर में पटाखे बनाए जाने के दौरान सुबह करीब 11 बजे अचानक हुए विस्फोट से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। विस्फोट इतना जोरदार था कि सुनील का दो मंजिला घर ढह गया और आसपास की कई इमारतों और घरों को भी नुकसान पहुंचा। धमाके की आवाज सुनकर ग्रामीणों की भीड़ एकत्र हो गई और किसी तहर घर में फंसे घायलों में सुनील कुमार और मेहतू को बाहर निकाला और पुलिस व फायर स्टेशन को सूचना दी।

असम में मुस्लिम शादी और तलाक का रजिस्ट्रेशन जरूरी

CM हिमंता बोले- मकसद बाल विवाह और काजी सिस्टम खत्म करना

गुवाहाटी. असम विधानसभा ने गुरुवार (29 अगस्त) को मुस्लिम शादियां और तलाक रजिस्टर करने वाले 90 साल पुराने कानून- असम मुस्लिम मैरिज एंड डिवोर्स रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1935 को रद्द करने का बिल पास किया। इस बिल का नाम द असम रिपीलिंग बिल, 2024 है।

अब से मुस्लिम समाज के लोगों को शादी और तलाक का रजिस्ट्रेशन करना जरूरी होगा। 22 अगस्त को असम कैबिनेट ने बिल को मंजूरी दी थी। बिल में 2 विशेष प्रावधान हैं। पहला- मुस्लिम शादी का रजिस्ट्रेशन अब काजी नहीं सरकार करेगी। दूसरा- बाल विवाह के पंजीकरण को अवैध माना जाएगा।

सरमा बोले- हमारा उद्देश्य बाल विवाह रोकना

विधानसभा में इस बिल पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि हमारा उद्देश्य सिर्फ बाल विवाह खत्म करना नहीं है। हम काजी सिस्टम भी खत्म करना चाहते हैं। हम मुस्लिम शादी और तलाक को सरकारी तंत्र के तहत लाना चाहते हैं।

सरमा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक सभी शादियों का रजिस्ट्रेशन किया जाना जरूरी है, लेकिन ऐसा करने के लिए राज्य काजियों जैसी निजी संस्था को सपोर्ट नहीं कर सकता है। हालांकि विपक्ष ने असम सरकार के इस फैसले को मुस्लिमों के प्रति भेदभावपूर्ण बताया है। विपक्ष का कहना है कि चुनावी साल में वोटर्स का ध्रुवीकरण करने के लिए इस एक्ट को लाया गया है।

AI क्लाउड वेलकम ऑफर का रिलायंस AGM में ऐलान

- 100 GB फ्री स्टोरेज मिलेगा
- जियो दुनिया की सबसे बड़ी मोबाइल डेटा कंपनी बनी

मुंबई. रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (RIL) आज यानी गुरुवार (29 अगस्त) को अपनी 47वीं एनुअल जनरल मीटिंग में जियो एआई क्लाउड वेलकम ऑफर का ऐलान किया। उन्होंने बताया कि इसमें जियो यूजर्स को 100 GB तक का फ्री क्लाउड स्टोरेज मिलेगा।

क्लाउड स्टोरेज में फोटो, वीडियो, डाक्यूमेंट सहित अन्य डिजिटल कंटेंट को स्टोर किया जा सकेगा। इस ऑफर को दिवाली पर लॉन्च किया जाएगा। इसके साथ ही अंबानी ने कहा कि रिलायंस 5 सितंबर को 1:1 रेश्यो में बोनस शेयर देने पर विचार करेगी।

अंबानी ने कहा- Jio आठ सालों में दुनिया की सबसे बड़ी मोबाइल डेटा कंपनी बन गई है। प्रत्येक Jio यूजर प्रति माह 30 जीबी डेटा का कंजम्पशन करता है। इसकी कीमत वर्ल्ड एवरेज की एक चौथाई है। उन्होंने लोकसभा चुनाव में जीत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी।

एजीएम के दौरान शेयर में करीब 2% की तेजी

एजीएम के रिलायंस के शेयरों में तेजी है। शेयर 1.87% की तेजी के साथ 3,052 रुपए के स्तर कारोबार कर रहा है। एक साल में रिलायंस के शेयर ने 23% का रिटर्न दिया है। वहीं 6 महीने में शेयर केवल 2.50% चढ़ा है। वहीं एक महीने में शेयरों में करीब 1.5% की गिरावट रही है।

वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में 15,138 करोड़ रुपए का मुनाफा

एक महीने पहले रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अप्रैल-जून तिमाही के नतीजे जारी किए थे। कंपनी को इस तिमाही में 15,138 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ है। सालाना आधार पर मुनाफे में 5.45% की कमी आई है। एक साल पहले की इसी तिमाही में मुनाफा 16,011 करोड़ रुपए रहा था।

वहीं, अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी की आय (रेवेन्यू) 2,36,217 करोड़ रुपए रही। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी ने 2,10,831 करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया था। यानी, सालाना आधार पर इसमें 12.04% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

कितने जनधन खाते खुले और कितने रुपये जमा हुए

- 10 साल पूरे होने पर PM मोदी ने सब बताया

नई दिल्ली. PMJDY यानी प्रधानमंत्री जन धन योजना को लॉन्च हुए 10 साल पूरे हो चुके हैं। इस मौके पर पीएम मोदी ने लाभार्थियों को बधाई दी। साथ ही उन्होंने 10 साल में खुले खातों और जमा राशी का ब्योरा भी दिया है। उन्होंने बताया है कि एक दशक में इस योजना में 53 करोड़ से ज्यादा खाते खुल चुके हैं, जिसमें 2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा जमा हुए हैं। खास बात है कि खातों के मामले में महिलाएं पुरुषों से आगे चल रहीं हैं। पीएम मोदी ने लिखा, 'जनधन के 10 साल पूरे हुए। आज देश के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। स अवसर पर मैं सभी लाभार्थियों को शुभकामनाएं देता हूं। इस योजना को सफल बनाने के लिए दिन-रात एक करने वाले सभी लोगों को भी बहुत-बहुत बधाई। जन धन योजना करोड़ों देशवासियों, विशेषकर हमारे गरीब भाई-बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें सम्मान के साथ जीवन जीने का अवसर देने में सफल रही है।'

जन धन योजना

पीएम मोदी ने बताया है कि अब तक 53 करोड़ से ज्यादा जनधन खाते खुल चुके हैं, जिनमें 2.3 लाख करोड़ रुपये की राशी गरीबों की तरफ से जमा कराई जा चुकी है। पीएम मोदी ने 28 अगस्त 2014 को इस योजना को लॉन्च किया था। वित्त मंत्रालय के अनुसार, पीएम जन धन योजना दुनिया का सबसे बड़ा वित्तीय समावेशन कार्यक्रम है।

कंगना रनोट भाजपा अध्यक्ष नड्डा से मिलीं

नई दिल्ली. हिमाचल प्रदेश के मंडी से भाजपा सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनोट गुरुवार (29 अगस्त) को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात करने पहुंचीं। दिल्ली में नड्डा के आवास पर करीब आधे घंटे रहने के बाद कंगना वहां से निकल गईं। किसान आंदोलन पर बयान के बाद भाजपा के किसी बड़े नेता से कंगना की यह पहली मुलाकात थी।

कंगना ने एक इंटरव्यू में कहा था कि किसान आंदोलन के दौरान प्रोटेस्ट के नाम पर रेप और मर्डर हुए। अगर सरकार मजबूत ना होती तो पंजाब बांग्लादेश हो जाता। इस बयान का विरोध होने पर भाजपा ने कहा कि यह कंगना की अपनी राय है, पार्टी की नहीं। भाजपा ने 26 अगस्त को एक प्रेस रिलीज जारी कर कहा- पार्टी कंगना के बयान से असहमत है।

अडाणी फैमिली देश में सबसे अमीर, अंबानी को पीछे छोड़ा

- हुरुन इंडिया रिच लिस्ट में वैल्थ 11.62 लाख करोड़
- एक साल में संपत्ति 95% बढ़ी

नई दिल्ली. अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी और उनके परिवार की कुल संपत्ति एक साल में 95% बढ़कर 11.62 लाख करोड़ रुपए हो गई। अडाणी परिवार ने अपनी टोटल वेल्थ में पिछले एक साल में 5,65,503 करोड़ रुपए का इजाफा किया है।

अडाणी फैमिली ने अंबानी परिवार को पीछे छोड़कर देश की सबसे धनवान फैमिली बन गई है। अंबानी परिवार की संपत्ति 10.15 लाख करोड़ रुपए है। एक साल में इसमें 25% की बढ़ोतरी हुई है।

'हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2024' के मुताबिक, 'हिंडनबर्ग के आरोपों के बाद भी गौतम अडानी एंड फैमिली ने पिछले साल की तुलना में संपत्ति में 95% की ग्रोथ हासिल की।'

HCL के मालिक शिव नाडार एंड फैमिली 3.14 लाख करोड़ रुपए और सीरम इंस्टीट्यूट के मालिक साइरस एस. पूनावाला एंड फैमिली 2.90 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ लिस्ट में तीसरे और चौथे नंबर पर हैं।

लिस्ट में पहली बार शाहरुख-ऋतिक की एंट्री

अभिनेता शाहरुख खान 7,300 करोड़ रुपए वेल्थ के साथ पहली बार इस लिस्ट में शामिल हुए। शाहरुख की संपत्ति बढ़ोतरी IPL की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स में उनके स्टेक से हुई है। शाहरुख रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के मालिक हैं, इसी कंपनी ने उनकी फिल्म डंकी, जवान और डार्लिंग्स को प्रोड्यूस किया। उनकी संपत्ति में बढ़ोतरी इन फिल्मों की सफलता के चलते भी हुई है। शाहरुख के अलावा इस लिस्ट में 4,600 करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ जूही चावला, 2,000 करोड़ रुपए की वेल्थ के साथ ऋतिक रोशन, अमिताभ बच्चन और फैमिली का 1,600 करोड़ रुपए और करण जौहर 1,400 करोड़ रुपए भी शामिल हुए हैं। हुरुन इंडिया की लिस्ट में शामिल बॉलीवुड के अमीरों की टोटल संपत्ति 40,500 करोड़ रुपए है।

दिल्ली HC से ब्रजभूषण को राहत नहीं

- यौन शोषण केस में FIR
- चार्जशीट और निचली कोर्ट का आदेश रद्द करने की मांग की थी

नई दिल्ली. बृजभूषण सिंह को दिल्ली हाई कोर्ट से फिलहाल कोई राहत नहीं मिली हैं। दिल्ली हाई कोर्ट ने बृजभूषण के वकील से मामले में एक शार्ट नोट कोर्ट में जमा करने को कहा है। दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण की याचिका की मेंटेनेबिलिटी पर सवाल उठाया गया। 26 सितंबर को मामले में अगली सुनवाई होगी।

हाई कोर्ट ने कहा कि आप मामले में चार्ज फ्रेम होने के बाद कोर्ट क्यों आए। बृजभूषण के वकील ने कहा कि मामले में 6 शिकायतकर्ता है, FIR दर्ज कराने के पीछे एक हिडन एजेंडा है। बृजभूषण के वकील ने कहा- सभी घटनाएं अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग समय पर हुई हैं।

अब तक अभियोजन पक्ष के दो गवाहों के दर्ज हो चुके हैं बयान

ट्रायल के दौरान अब तक अभियोजन पक्ष के दो गवाहों के बयान दर्ज हो चुके हैं। अब यौन उत्पीड़न की शिकार पीड़िताओं के भी बयान दर्ज करने को लेकर नोटिस जारी की गई है। 10 सितंबर को पूरे मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट में अगली सुनवाई होगी। सुनवाई में महिला पहलवानों के 10 सितंबर, 12 सितंबर और 13 सितंबर को एक अलग कमरे में राऊज एवेन्यू कोर्ट की एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट प्रियंका राजपूत द्वारा बयान रिकॉर्ड किया जाएगा।

बृजभूषण शरण सिंह के वकील ने बीते 24 अगस्त को सुनवाई के दौरान पूरे मामले का विरोध किया था और अपने वकील के सामने महिला पहलवानों के बयान दर्ज करने की मांग की गई थी। लेकिन कोर्ट द्वारा मना करते हुए एक अलग कमरे में बयान दर्ज करने की बात कही गई थी। कोर्ट ने इन सभी जो गवाह है, उनको कमजोर गवाह मानकर उनके बयान दर्ज करने का फैसला लिया था।

लखनऊ में भाजपा का झंडा लगी सफारी प्लेटफार्म पर दौड़ाई

लखनऊ. लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन में दो युवक भाजपा का झंडा लगी सफारी कार लेकर घुस गए। बुधवार रात 1 बजे 500 मीटर कार प्लेटफार्म पर दौड़ाई। कार लेकर GRP थाने तक पहुंच गए। प्लेटफॉर्म पर तेज रफ्तार कार को देखकर यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। यात्री अपना सामान समेट कर इधर-उधर भागने लगे। यात्रियों के शोर मचाने पर पुलिस को पता चला। इसके बाद पुलिस एक्टिव हुई और दोनों युवकों को पकड़ लिया। कार को सीज कर दिया। दोनों युवक नशे में थे। आज दोनों का मेडिकल होगा।

यात्री बोले- भीड़ कम थी, नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था

सफारी (यूपी 32 FA 8989) सरोजनीनगर निवासी हितेश तिवारी की है। वही कार चला रहा था। उसके साथ बंथरा निवासी शिवांश चौधरी बैठा था। दोनों पार्सल घर के निकट बने रैंप से कार लेकर प्लेटफार्म नंबर-1 पर पहुंचे।

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है- हम लोग ट्रेन के इंतजार में प्लेटफार्म पर बैठे थे, तभी अचानक कार आ गई। जब तक हम कुछ समझ पाते, तब तक कार स्पीड से हमारे बगल से निकल गई। प्लेटफार्म पर अफरा-तफरी मच गई। यात्री अपना सामान समेटने लगे।

राष्ट्रपति बोलीं- ओलिंपिक होस्ट करना चाहता है भारत

- गेम्स में कबड्डी भी शामिल होना चाहिए
- मोदी भी जता चुके मेजबानी की इच्छा
- 2026 तक मिल सकती है मेजबानी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भारत 2036 के ओलिंपिक गेम्स को होस्ट करने के लिए उत्साहित है। 2036 के गेम्स भारत में हुए तो देश में स्पोर्ट्स का कल्चर तेजी से बढ़ेगा और नए प्लेयर्स खेलों में एंट्री के लिए इंस्पायर होंगे।

राष्ट्रपति भवन में सीनियर PTI एडिटर्स से बात करते हुए प्रेसिडेंट ने कहा कि ओलिंपिक में कबड्डी जैसे खेलों को भी शामिल किया जाना चाहिए। अगस्त में ही खत्म हुए पेरिस ओलिंपिक में भारत ने 5 ब्रॉन्ज और एक सिल्वर समेत कुल 6 मेडल जीते थे।

इंडियन स्पोर्ट्स देखना पसंद

मुर्मू ने कहा, ₹मुझे स्पोर्ट्स देखना पसंद है, लेकिन इसे देखने के ज्यादा मौके नहीं मिल पाते। जब भी मौका मिलता है तो मैं इंडियन स्पोर्ट्स ही देखना पसंद करती हूं। भारत में ओलिंपिक तो होने ही चाहिए। इनके आने से प्लेयर्स स्पोर्ट्स खेलने के लिए इंस्पायर होंगे। 2028 के ओलिंपिक गेम्स अमेरिका और 2032 के ऑस्ट्रेलिया में होने हैं। 2036 गेम्स की मेजबानी तय नहीं है, इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी 2026 या 2027 तक मेजबानी को लेकर फैसला ले सकती है। भारत के अलावा सऊदी अरब, पोलैंड, इंडोनेशिया, मेक्सिको और कतर भी मेजबानी के दावेदार हैं।

राष्ट्रपति से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी 15 अगस्त को भाषण में ओलिंपिक गेम्स होस्ट करने की इच्छा जताई थी। उन्हें विश्वास है कि देश ओलिंपिक जैसे शो-पीस इवेंट की मेजबानी कर सकता है। मोदी ने कहा था, ₹2036 ओलिंपिक गेम्स होस्ट करना भारत का सपना है। हमने इसके लिए तैयारी करना भी शुरू कर दिया है।₹

मुर्मू ने नेहवाल के साथ खेला था बैडमिंटन

पिछले दिनों राष्ट्रपति ने भारत के लिए ओलिंपिक मेडल जीतने वालीं शटलर साईना नेहवाल के साथ बैडमिंटन खेला था। उन्होंने नेहवाल के साथ अपनी फोटो भी सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी। दोनों राष्ट्रपति भवन में ही बैडमिंटन खेल रही थीं।

मुर्मू ने नेहवाल के साथ फोटो पोस्ट कर लिखा था, स्पोर्ट्स के लिए नेचुरल लव। राष्ट्रपति ने एशिया के सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट डुरंड कप की ट्रॉफी टूर को भी हरी झंडी दिखाई।

कौन है आतंकी फरहतुल्लाह घोरी?

- भारत में ट्रेनों को प्रेशर कुकर बम से उड़ाने की दी है धमकी

नई दिल्ली. भारत में खुफिया एजेंसियां इन दिनों हाई अलर्ट मोड में हैं। एक वीडियो में आतंकवादी फरहतुल्लाह घोरी भारत में स्लीपर सेल के जरिए देश भर में ट्रेनों पर हमले करने की बात कर रहा है। घोरी भारत में भगोड़ा घोषित होने के बाद पाकिस्तान में रह रहा है। उसने ही पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के सहयोग से स्लीपर सेल के जरिए बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे में विस्फोट की साजिश रची थी।

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, आतंकी फरहतुल्लाह घोरी ने स्लीपर सेल की मदद से भारत में रेलवे नेटवर्क को पटरी से उतारने का आह्वान किया है। वीडियो में वह प्रेशर कुकर का उपयोग करके बम विस्फोट करने के विभिन्न तरीकों के बारे में बात करता दिख रहा है। आपको बता दें कि वर्षों से वह भारतीय एजेंसियों के रडार पर है।

वीडियो में वह पेट्रोल और गैस पाइपलाइनों के उड़ाने की बात रहा है। उसके निशाने पर कई हिंदू नेता भी हैं। वीडियो में वह कह रहा है कि भारत सरकार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और राष्ट्रीय खुफिया एजेंसी (एनआईए) के माध्यम से उनकी संपत्तियों को निशाना बनाकर स्लीपर सेल को कमजोर कर रही है। वीडियो में घोरी कहता है, ₹लेकिन हम वापस आएंगे और सरकार को हिला देंगे।₹ इंडिया टुडे ने खुफिया एजेंसियों के सूत्रों के हवाले से कहा है कि यह वीडियो करीब तीन सप्ताह पहले टेलीग्राम पर जारी किया गया था।

1 मार्च को रामेश्वरम विस्फोट में कम से कम 10 लोग घायल हुए थे। 3 मार्च को मामले को अपने हाथ में लेने वाली एनआईए ने 12 अप्रैल को दो मुख्य आरोपियों अब्दुल मथीन अहमद ताहा और मुसाविर हुसैन शाजिब को गिरफ्तार किया था। ताहा इस ब्लास्ट का मास्टरमाइंड था। वहीं शाजिब ने कैफे में आईईडी रखा था। दोनों को कोलकाता के पास एक लॉज से गिरफ्तार किया गया था।

3 साल के बेटे, 5 साल की बेटी की हत्या

रायसेन. रायसेन में एक मां ने अपने 3 साल के बेटे और 5 साल की बेटी की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने उसे घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर गिरफ्तार कर लिया। महिला ने बच्चों की हत्या क्यों की, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

पुलिस महिला से पूछताछ कर रही है। मामला जिला मुख्यालय से 140 किलोमीटर दूर देवरी वार्ड क्रमांक-4 में गुरुवार करीब 11.30 बजे का है।

एएसपी कमलेश कुमार ने बताया, देवरी थाना क्षेत्र में सुबह करीब साढ़े 11 बजे राधिका आदिवासी ने बेटे-बेटी की गर्दन कुल्हाड़ी से काट दी। बच्चों में नैना (5) और देव (3) शामिल हैं।

डॉक्टर्स के खिलाफ एक शब्द नहीं बोला

ममता बोलीं- उन्हें कभी नहीं धमकाया, उनका प्रोटेस्ट सही है

कोलकाता. बंगाल CM ममता बनर्जी ने कहा कि उन्होंने प्रदर्शनकारी डॉक्टर्स को कभी नहीं धमकाया। ममता ने सोशल मीडिया पर गुरुवार को एक पोस्ट की। इसमें ममता ने लिखा कि कुछ लोग आरोप लगा रहे हैं कि मैंने प्रदर्शनकारी डॉक्टर्स को धमकाया है। ये सरासर झूठ है।

भाजपा ने आरोप लगाया है कि ममता बनर्जी ने बंगाल के उन जूनियर डॉक्टर्स को धमकाया, जो 21 दिन से हड़ताल पर हैं। डॉक्टर्स आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के मर्डर और रेप में न्याय की मांग कर रहे हैं। इन्होंने अस्पताल में बेहतर काम के माहौल और सुरक्षा पर भी कदम उठाने की मांग की है।

9 अगस्त को मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर का शव अर्धनग्न अवस्था में मिला था। उसके साथ रेप की पुष्टि हुई। 10 अगस्त से डॉक्टर्स ने हड़ताल शुरू कर दी थी। ट्रेनी डॉक्टर्स को न्याय दिलाने के लिए छात्रों ने 27 अगस्त को नाबन्ना मार्च निकाला था। इसमें पुलिस और छात्रों के बीच झड़प हुई थी और कई लोग घायल हुए थे। इस कार्रवाई के विरोध में 28 अगस्त को भाजपा ने बंगाल बंद बुलाया। इसमें भाजपा नेताओं पर फायरिंग हुई, बम फेंके गए और पत्थरबाजी हुई।

ममता ने लिखा, ₹मुझे पता लगा है कि प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया में मेरे खिलाफ गलत खबरें चलाई जा रही हैं। इनमें उस स्पीच का हवाला दिया गया है, जो मैंने 28 अगस्त को छात्रों के बीच दी थी।

मैं स्पष्ट कर देना चाहती हूं कि मैंने मेडिकल छात्रों और उनके अभियान के खिलाफ एक शब्द भी नहीं कहा है। कुछ लोग मुझ पर ऐसे आरोप लगा रहे हैं। ये झूठ है। मैं उनके आंदोलन का पूरा समर्थन करती हूं। उनका प्रदर्शन सही है।

पूजा खेडकर को 5 सितंबर तक गिरफ्तारी से राहत

नई दिल्ली. दिल्ली हाईकोर्ट ने बर्खास्त ट्रेनी IAS पूजा खेडकर की जमानत याचिका पर सुनवाई 5 सितंबर तक टाल दी है। पूजा के जवाब पर विचार करने और नई स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने के लिए दिल्ली पुलिस ने और समय मांगा है। इसके बाद जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद ने पुलिस को निर्देश दिया कि आगे की कार्यवाही लंबित रहने तक खेडकर को गिरफ्तार न किया जाए।

आम सूचना

मैं श्री प्रेम दिनेश कुचे सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, बैरक नं. 369 के सामने, उल्हासनगर-1. (टैक्स नं. 14बीआय015631000) उक्त प्रॉपर्टी कमलसिंग सुजीतसिंग रामाणी के नाम पर है। उन्होंने सेल एग्रीमेंट दि. 23.8.2024 सी.नं. 3898/2024 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री प्रेम दिनेश कुचे

संक्षेप...

बेटी के साथ कथित तौर पर बलात्कार के आरोप में गिरफ्तार

मुंबई. पुलिस ने बताया कि मुंबई में एक व्यक्ति को अपनी नौ वर्षीय बेटी के साथ कथित तौर पर बलात्कार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। जून में, आरोपी ने अपनी बेटी के साथ बलात्कार किया, जब घर पर कोई नहीं था और उसे किसी को न बताने की धमकी दी। हाल ही में, लड़की ने अपनी मां को इस घटना के बारे में बताया। मां अपनी बेटी को पास के डिंडोशी पुलिस स्टेशन ले गई और आरोपी पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, मुंबई पुलिस ने कहा।

बीजेपी ने रखा 100 सीटों का टारगेट ?

- पिछली बार जीती सीटों से भी कम सीटों का लक्ष्य

मुंबई. महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति और विपक्षी अलायंस महा विकास अघाड़ी ने कमर कस ली है. हालांकि, इस बार बीजेपी की उम्मीदें इस चुनाव से कुछ कम लग रही हैं. दरअसल, लोकसभा चुनाव में बहुमत के आंकड़े को पार करने का दावा करने वाली बीजेपी को महाराष्ट्र में आधे से ज्यादा सीटें गंवानी पड़ी थीं. ऐसे में अब विधानसभा चुनाव के लिए भी पार्टी ने अपनी उम्मीदें कम कर ली हैं.

दरअसल, मौजूदा समय में महाराष्ट्र की कुल 288 विधानसभा सीटों में से बीजेपी के पास 106 सीटें हैं, लेकिन आगामी चुनाव में पार्टी ने अपना टारगेट इससे भी कम रखते हुए केवल 100 सीट पर सेट किया है. वहीं, अपनी अलायंस पार्टियों (एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी) के साथ मिलकर बहुमत का 145 सीटों का आंकड़ा छूने की कोशिश करने का प्लान बनाया है. एक रिपोर्ट के मुताबिक, महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने अपने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को ये समझाया है कि आगामी विधानसभा चुनाव में किसी भी तरह से 100 का आंकड़ा पार करना होगा. अगर ऐसा कर लेते हैं तो कोई भी बिना बीजेपी के सहयोग के सरकार नहीं बना पाएगा.

महायुति की सफलता इस योजना पर निर्भर

बीजेपी नेता का मानना है कि लोकसभा चुनाव में भले ही महा विकास अघाड़ी को ज्यादा सीटें मिली हों, लेकिन वोट शेयर का अंतर केवल 0.3 फीसदी था और वोटों का अंतर भी 2 लाख के करीब रहा था, जिसे आसानी से पार किया जा सकता है. महायुति को आगे बढ़ाने के लिए एकनाथ शिंदे सरकार की 'लाडकी बहीन योजना' ही अकेले काफी होगी.

देवेंद्र फडणवीस ने अपने पार्टी कार्कर्ताओं के साथ हुई बैठक में ये भी कहा कि बीजेपी ने 48 लोकसभा सीटों में से 45 जीतने का दावा किया था, लेकिन ऐसा हो नहीं सका. इसलिए अब बड़े-बड़े अभियानों पर फोकस करने के बजाय ग्राउंड लेवल पर लोगों से व्यक्तिगत रूप से कनेक्ट करने पर ध्यान केंद्रित किया जाए.

महाविकास आघाड़ी में सीट शेयरिंग पर तकरार

- कांग्रेस झुकने को तैयार नहीं
- उद्धव ठाकरे मान नहीं रहे

मुंबई. कई दौर की बैठकों के बावजूद महाविकास अघाड़ी (एमवीए) में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे पर सहमति नहीं बन पा रही है। घटक दलों में सीट की संख्या के साथ ही इन पर दावों को लेकर विवाद है। वहीं, कई सीटें ऐसी हैं, जिन पर कांग्रेस, शिवसेना और एनसीपी (एसपी) तीनों की दावेदारी है। आपको बता दें कि सीट बंटवारे को लेकर महाविकास अघाड़ी के घटक दलों के बीच एक माह में चार बैठकें हो चुकी हैं। पर अभी तक मुंबई की तीन दर्जन सीटों पर सहमति नहीं बन पाई है।

शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने मुंबई में सहमति का दावा किया है, पर कांग्रेस और एनसीपी (एसपी) ने इसे खारिज कर दिया है।

प्रदेश कांग्रेस के एक नेता ने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) लगातार मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने का दबाव बना रही है। लगभग हर बैठक में यह मुद्दा उठता है। पर सीट बंटवारे के लिए गठित समिति के पास मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने का अधिकार नहीं है। इस बारे में अंतिम निर्णय कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व करेगा। लोकसभा चुनाव की तरह शिवसेना (यूबीटी) विधानसभा में भी अधिक सीटों पर दावेदारी कर रही है। पर कांग्रेस लोकसभा चुनाव परिणाम को पैमाना बनाकर सीट बंटवारा चाहती है। लोकसभा में कांग्रेस 17 में से 13 सीट जीतने में सफल रही थी।

2019 में शिवसेना का भाजपा से गठबंधन था। उस वक्त शिवसेना ने 124 सीटों पर चुनाव लड़कर 56 पर जीत दर्ज की थी। भाजपा ने 150 सीटों पर चुनाव लड़ा था। पर अब शिवसेना दो फाड़ हो चुकी है। ऐसे में प्रदेश शिवसेना (यूबीटी) को उसकी मांग के मुताबिक कांग्रेस सीटें देने के लिए तैयार नहीं है। इस वजह से चार दौर की बैठकों के बावजूद सहमति नहीं बन पाई है।

डीपी प्लान के भूखंड पर बिल्डर द्वारा निर्माणकार्य

- नगर रचना विभाग ने जारी की नोटिस,
- काम बंद करने का आदेश
- बिल्डर कर रहा आदेश की अवहेलना

कल्याण. कल्याण पूर्व के चिंचपाड़ा में डीपी प्लान के भूखंड पर एक निजी बिल्डर द्वारा निर्माणकार्य किए जाने के मामले में कल्याण-डोंबिवली महापालिका के नगर रचना विभाग ने संबंधित भवन निर्माता के नाम नोटिस जारी कर तत्काल काम रोकने और कागजात पेश करने को कहा है। हैरानी की बात यह है कि मनपा की नोटिस के बावजूद भी बिल्डर ने काम नहीं रोका, बल्कि मनपा के आदेश का उल्लंघन कर दबंगई से वहां निर्माण कार्य शुरू रखा है।

बतादें कि कल्याण पूर्व के चिंचपाड़ा रोड़ स्थित ओम रंजना सोसायटी के बगल में सर्वे नंबर 44/4 यह भूखंड डीपी प्लान में है। कुछ सामाजिक और आरटीआई कार्यकर्ताओं ने नाम ना बताने की शर्त पर कहा कि उक्त बिल्डर ने जमीन के सर्वे नंबर और हिस्सा नंबर में हेराफेरी कर पालिका को गुमराह किया। उन्होंने आरोप लगाया कि बिल्डर ने कथित रूप से डीपी रोड़ को हड़पने का प्रयास किया। सर्वे नंबर 44/4 की जमीन पर 44/21 (क) का बोर्ड लगाने के बाद उक्त भूखंड पर खुदाई का काम किया जा रहा है। इस विषय में सामाजिक कार्यकर्ताओं ने महापालिका के (ड) प्रभाग कार्यालय से शिकायत की। इसके बाद (ड) प्रभाग के सहायक आयुक्त कार्यालय ने नगर रचना विभाग को पत्र लिखकर उक्त भूखंड से जुड़े तमाम कागजात की छानबीन कर रिपोर्ट पेश करने की मांग की, जिससे पूरे मामले की सच्चाई का पता चले। इस मामले में नगर रचना विभाग के अधिकारी ने बीती 6 मई को संबंधित बिल्डर को तत्काल नोटिस जारी कर जमीन से जुड़े कागजात पेश करने और निर्माणकार्य को तुरंत बंद करने का आदेश दिया था। हालांकि बावजूद इसके महापालिका की नोटिस को अनदेखा कर बिल्डर द्वारा निर्माणकार्य अभी-भी शुरू है। अब यह पूरा मामला संबंधित मनपा अधिकारियों के गले की हड्डी बन सकता है, क्योंकि सामाजिक कार्यकर्ता इस मामले को लेकर मुंबई हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाने की बात कह रहे हैं।

कुत्तों के हमले में युवक की मौत, मामला दर्ज

मुंबई. कुत्ते के हमले में एक युवक की मौत हो गई और उक्त युवक कुत्ते की देखभाल का काम कर रहा था. पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है. विक्रोली इलाके के रहने वाले असरत अली (22) ने आठ महीने पहले एक कुत्ता प्रशिक्षण कंपनी में काम करना शुरू किया था। वह कुत्तों की देखभाल कर रहा था. उन पर विक्रोली क्षेत्र में ग्रेट डेन्स की देखभाल की जिम्मेदारी थी। इस कुत्ते ने असरत पर हमला कर दिया. इस हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए. उनके अन्य सहकर्मी उन्हें घाटकोपर के राजावाड़ी अस्पताल ले गए। लेकिन डॉक्टर ने बताया कि इलाज से पहले ही उनकी मौत हो गई. असारत के एक रिश्तेदार की शिकायत के आधार पर विक्रोली पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है

एमएमआर का पहला डबल-डेकर फ्लाईओवर यातायात के लिए खुला

ठाणे. मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में मेट्रो लाइन-9 के एक पुल को जोड़ने वाले पहले डबल डेकर फ्लाईओवर का बुधवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उद्घाटन किया।

एक किलोमीटर लंबा यह फ्लाईओवर ठाणे जिले के मीरा भयंदर में मेट्रो लाइन-9 के मेट्रो पुल और एक सड़क फ्लाईओवर को जोड़ता है।

अधिकारियों ने बताया कि इस फ्लाईओवर से यातायात आवागमन में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा मीरा रोड के प्रमुख चौराहों पर भीड़भाड़ भी कम होगी।

मेट्रो लाइन-9 अंधेरी से मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और दहिसर से मीरा रोड तक रेड लाइन का विस्तार है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा, ''मुंबई महानगर क्षेत्र में डबल डेकर फ्लाई ओवर का निर्माण मुंबई और महाराष्ट्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह परियोजना यातायात संबंधी समस्याओं का समाधान करती है, समय और ईंधन की बचत करती है, तथा आधुनिक प्रौद्योगिकी और कुशल योजना का प्रमाण है। इससे एमएमआर के विकास में तेजी आएगी और समग्र यातायात प्रवाह तथा यात्री सुविधा में सुधार होगा।''

अधिकारियों के मुताबिक इस फ्लाई ओवर का निर्माण उन्नत तकनीक का उपयोग करके किया गया है, जिसमें मेट्रो और सड़क परिवहन के लिए अलग-अलग स्तर हैं। इसका उद्देश्य यात्रियों के लिए आठ से 10 मिनट का यात्रा समय बचाना और ईंधन की खपत कम करना है।

मालवण घटना के खिलाफ एनसीपी अजित पवार गुट का मौन विरोध प्रदर्शन

- दोषी कॉन्ट्रैक्टर और अधिकारी पर कार्रवाई की मांग

कल्याण. महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने के मामले में अब राजनीति तेज होती जा रही है। विपक्ष के साथ-साथ सत्ता में शामिल घटक दल अजीत पवार की अगुवाई वाली एनसीपी पार्टी भी इस घटना को लेकर आक्रामक होती नजर आ रही है। एनसीपी अजीत पवार गुट के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने आज प्रदेशभर में मौन विरोध प्रदर्शन करने की अपील कार्यकर्ताओं से की थी। उसी के तहत कल्याण में भी अजीत पवार गुट के कार्यकर्ताओं ने मालवण के राजकोट किले की घटना के खिलाफ मौन विरोध प्रदर्शन किया। कल्याण पश्चिम के छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर काली पट्टी बांधकर कार्यकर्ताओं ने अपना विरोध दर्शाया। फिर कल्याण तहसीलदार कार्यालय तक पैदल मार्च करते हुए तहसीलदार को एक ज्ञापन सौंपकर इस घटना के लिए दोषी ठेकेदार तथा संबंधित अधिकारी पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। मीडिया से बातचीत के दौरान कार्यकर्ताओं ने मालवण घटना की कड़ी शब्दों में निंदा की। इस मौके पर आंदोलन में अजीत पवार गुट के पदाधिकारी सुभाष गायकवाड, मनोज नायर, माया कटारिया, ब्रह्मा माली, जेसी कटारिया, शरद गवली, अर्जुन नायर आदि कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल थे।

कोचिंग क्लास में लड़की से यौन उत्पीड़न, टीचर की पिटाई

विरार. कोचिंग क्लास में पढ़ने वाली एक नाबालिग लड़की से यौन उत्पीड़न करने वाले शिक्षक प्रमोद मोर्या को नागरिकों ने पीट-पीटकर मार डाला और पुलिस को सौंप दिया। घटना बुधवार सुबह विरार पूर्व के मनवेलपाड़ा में हुई। आक्रोशित नागरिकों की पिटाई से आरोपी शिक्षक गंभीर रूप से घायल हो गया. प्रमोद मोर्या सह्याद्रि नगर, मनवेल पाड़ा, विरार पूर्व में एक निजी कोचिंग क्लास चलाते हैं।

इसमें सातवीं कक्षा में पढ़ने वाली 13 साल की लड़की के साथ पिछले हफ्ते टीचर ने यौन उत्पीड़न किया. इसलिए वह डर गई और दो दिन तक क्लास नहीं गई. उसने यह बात तब कही जब उसके माता-पिता ने उससे पूछा कि वह कक्षा में क्यों नहीं आ रही है। इसलिए उसके माता-पिता और इलाके के गुस्साए नागरिक क्लास में गए और शिक्षक प्रमोद मोर्या की सड़क पर पिटाई कर दी। इस पिटाई में मोरया खून से लथपथ हो गया.

यह टीचर पहले भी 3-4 लड़कियों का यौन उत्पीड़न कर चुका है। लेकिन स्थानीय महिला आरती पडवाल ने मांग की है कि आरोपियों की जांच की जाए और आरोपियों को कड़ी सजा दी जाए. यह प्रकार बहुत कष्टप्रद है. हम ईमानदारी से बच्चों को पढ़ाने के लिए शिक्षकों के पास भेजते हैं लेकिन वे ऐसी घिनौनी हरकतें कर रहे हैं। एक स्थानीय कार्यकर्ता मनीष राउत ने कहा कि यह नागरिकों के गुस्से का नतीजा था, इसलिए उन्होंने उसकी पिटाई कर दी. नागरिकों ने आरोपी को हमारे हवाले कर दिया है. पीड़िता का आरोप है कि उसने उसके साथ छेड़छाड़ कर यौन उत्पीड़न किया. विरार पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजय पवार ने बताया कि उनका बयान दर्ज किया जा रहा है और आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है।

छेड़छाड़ करने वाला शिक्षक पुलिस की गिरफ्त में

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. बदलापुर की अमानवीय घटना के बाद भिवंडी में एक शिक्षक द्वारा छात्रा के साथ विनयभंग का गंभीर मामला प्रकाश में आया है.शिक्षक ने गुरु शिष्य के रिश्ते को तार-तार किया है.शांतिनगर पुलिस स्टेशन हद स्थित मनपा शाला में एक शिक्षक द्वारा छात्रा को जबरन अश्लील वीडियो दिखाकर छेड़छाड़ का मामला सामने आया है.

पीड़िता की मां की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी शिक्षक मुजम्मिल हुसैन शब्बीर अहमद शेख(40)पर पास्को एक्ट के तहत आपराधिक मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया है.

शांतिनगर पुलिस स्टेशन वरिष्ठ निरीक्षक विनायक गायकवाड ने बताया कि, शांतिनगर क्षेत्र स्थित मनपा शाला में कार्यरत शिक्षक मुजम्मिल हुसैन ने पीड़िता छात्रा को बुक चेकिंग के बहाने अपने पास बुलाया और उसे मोबाइल से अश्लील वीडियो दिखाने लगा.पीड़िता जब वापस जाने लगी तो शिक्षक ने उसका दुपट्टा खींचकर शारीरिक छेड़छाड़ करने की कोशिश की.शिक्षक की शर्मनाक हरकत से क्लास में शर्मशार हुई छात्रा ने घर पहुंचकर आपबीती मां को बताई.पीड़िता छात्रा की मां की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार किया है.

मुंबई में नया ऑफिस खोलेंगी कंगना

- 1.56 करोड़ में खरीदा स्पेस
- शहर में एक्ट्रेस के पहले से ही 16 करोड़ के तीन फ्लैट

फिल्म 'इमरजेंसी' की रिलीज से पहले एक्ट्रेस कंगना रनोट ने मुंबई में 1 करोड़ 56 लाख रुपए में ऑफिस स्पेस खरीदा है। एक्ट्रेस यहां जल्द ही अपना नया ऑफिस खोलने वाली हैं। कंगना का मुंबई के बांद्रा इलाके में पहले से ही एक होम-ऑफिस और रेसिडेंशियल अपार्टमेंट भी है।

19वें फ्लोर पर मौजूद है यह प्रॉपर्टी

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आर्च वन नाम की बिल्डिंग के 19वें फ्लोर पर मौजूद एक्ट्रेस की यह प्रॉपर्टी 407 स्क्वायर फीट में फैली हुई है। कंगना ने यह डील 23 अगस्त को की और इसके लिए उन्होंने 9.37 लाख रुपए की स्टाम्प ड्यूटी भी चुकाई है। साथ ही एक्ट्रेस ने 30 हजार रुपए रजिस्ट्रेशन फीस के लिए भी दिए हैं।

मनाली में 15 करोड़ का बंगला

मई 2024 में कंगना ने लोक सभा चुनाव में भाग लेने से पहले अपनी 91 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी डिक्लेयर की थी। अपने एफिडेविट में कंगना ने अपनी प्रॉपर्टीज का भी जिक्र किया था। एक्ट्रेस चंडीगढ़ में 4 कमर्शियल यूनिट की मालकिन हैं।

www.ulhasvikas.com
ULHAS VIKAS ANDROID APP ON Google play Install now
/ulhasvikas /ulhasvikas /ulhasvikas /ulhasvikas
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel
संस्थापक संपादक- स्व. श्री अशोक उकाराम बोधा
ULHAS VIKAS Hindi Daily By :- HERO ASHOK BODHA
www.ulhasvikas.com (Editor in Chief)
25 Lakhs THANK YOU Viewer's
25,00,000
ULHAS VIKAS ANDROID APP ON Google play Install now
Thank you
Pageviews yesterday 2,763
Pageviews last month 76,471
Pageviews all time history 1,007,712
Followers 168

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099